Naidunia (Indore), 28th September 2025, Page – 02

624 करोड़ में संवरेगा आइआइटी इंदौर का अत्याधुनिक परिसर

आइआइटी इंदौर में 624 करोड़ से होने वाले निर्माण कार्य को लेकर शिलान्यास समारोह आयोजित किया गया। ● सौजन्य

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर (आइआइटी इंदौर) में शनिवार को क्षमता विस्तार योजना के तहत आधारभूत संरचना विकास की एक महत्वपूर्ण परियोजना का शिलान्यास किया गया। नालंदा सभागृह में आयोजित इस समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहनचरण मांझी ने ओडिशा से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से वर्चुअल आधारशिला रखी। यह परियोजना उच्चतर शिक्षा वित्तपोषण एजेंसी (एचईएफए) द्वारा स्वीकृत की गई है, जिसके तहत तृतीय चरण में 624.57 करोड़ के विकास कार्य होंगे।

पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान : कार्यक्रम में जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट ने कहा कि सिंहस्थ महापर्व 2028 को ध्यान में रखते हुए नदियों के पुनरुद्धार का कार्य जारी है। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं को शिप्रा नदी का जल स्वच्छ मिले, इसके लिए कान्ह और गंभीर नदी पर काम हो रहा है।

मंत्री ने पौधारोपण भी किया : आइआइटी इंदौर ने परिसर में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में पहल की है, जिसमें वर्षा जल संचयन और जैव विविधता बढ़ाने के लिए नौ जल संरक्षण इकाइयां बनाई गई हैं। कार्यक्रम के बाद मंत्री तुलसी सिलावट ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत स्टाफ और छात्रों के साथ पौधारोपण भी किया। निदेशक प्रो. सुहास जोशी, डीन प्रो. पंकज सकदेव, रजिस्ट्रार शिवाप्रसाद होता, संकाय सदस्य, छात्र और उनके परिवारजन उपस्थित रहे।

नई सुविधाओं का निर्माण

इस परियोजना के अंतर्गत आइआइटी इंदौर में आधुनिक शैक्षणिक भवन, व्याख्यान कक्ष परिसर, औद्योगिक अनुसंधान पार्क, डिजाइन विभाग, छात्र गतिविधि केंद्र और आगंतुक छात्रावास का निर्माण किया जाएगा। साथ ही फैकल्टी और छात्रों के लिए आवासीय परिसर भी तैयार किए जाएंगे। उन्नत उपकरणों की खरीद से शोध और शिक्षण की गुणवत्ता को और मजबूत किया जाएगा।